

# IPC Section 506: Quick Reference

## Hindi (हिन्दी)

- धारा 506 IPC (दण्ड संहिता) — आपराधिक धमकी: जान-माल/प्रतिष्ठा को नुकसान की धमकी देकर डर पैदा करना। सज़ा/जमानत/संयोजनीयता राज्य संशोधनों पर निर्भर हो सकती है। FIR/NCR की स्थिति जानने के लिए नज़दीकी थाने या मजिस्ट्रेट से संपर्क करें।

## Marathi (मराठी)

- कलम 506 IPC — गुन्हेगारी धाक दाखवणे: व्यक्ती/प्रतिष्ठा/मालमतेला इजा करण्याची धमकी देऊन भय निर्माण करणे. शिक्षा, जामीन, प्रमाणभूतपणा राज्य दुरुस्तीनुसार बदलू शकतात।

---

## Bilingual Guide: Section 506 IPC (Criminal Intimidation)

### 1. Definition (परिभाषा)

- Hindi:** आपराधिक धमकी: किसी व्यक्ति, उसकी प्रतिष्ठा, या संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की धमकी देकर भय पैदा करना।
- Marathi:** गुन्हेगारी धाक दाखवणे: एखाद्या व्यक्तीला, तिच्या प्रतिष्ठेला किंवा मालमतेला इजा करण्याची धमकी देऊन भीती निर्माण करणे.

### 2. Ingredients / Essentials (आवश्यक तत्व)

- Hindi:**
  - किसी व्यक्ति को धमकी देना।
  - धमकी उस व्यक्ति के शरीर, प्रतिष्ठा या संपत्ति को चोट पहुँचाने की होनी चाहिए।
  - धमकी देने का इरादा उस व्यक्ति में डर पैदा करना, या उसे कोई ऐसा कार्य करने के लिए मजबूर करना जो वह कानूनी रूप से करने के लिए बाध्य नहीं है।
- Marathi:**
  - एखाद्या व्यक्तीला धमकी देणे.
  - धमकी त्या व्यक्तीच्या शरीराला, प्रतिष्ठेला किंवा मालमतेला इजा पोहोचवण्याची असली पाहिजे.
  - धमकी देण्याचा हेतू त्या व्यक्तीमध्ये भीती निर्माण करणे, किंवा तिला असे कोणतेही कृत्य करण्यास भाग पाडणे जे ती कायदेशीररित्या करण्यास बांधील नाही.

### 3. Evidence (सबूत / पुरावा)

- Hindi:**
  - प्रत्यक्षदर्शी गवाह (जिन्होंने धमकी सुनी या देखी)।

2. इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य (जैसे कॉल रिकॉर्डिंग, टेक्स्ट मैसेज, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट)।
3. परिस्थितिजन्य साक्ष्य (जैसे धमकी के बाद पीड़ित का आचरण)।

- **Marathi:**

1. प्रत्यक्षदर्शी साक्षीदार (ज्यांनी धमकी ऐकली किंवा पाहिली).
2. इलेक्ट्रॉनिक पुरावा (उदा. कॉल रेकॉर्डिंग, मजकूर संदेश, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट).
3. परिस्थितीजन्य पुरावा (उदा. धमकीनंतर पीडितेचे वर्तन).

#### 4. Complaint Route (शिकायत प्रक्रिया)

- **Hindi:**

1. पुलिस स्टेशन: अपराध की गंभीरता (और राज्य के संशोधनों) के आधार पर, आप FIR (संज्ञेय अपराध होने पर) या NCR (असंज्ञेय अपराध होने पर) दर्ज करा सकते हैं।
2. मजिस्ट्रेट: यदि पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, या यदि यह असंज्ञेय है, तो आप सीधे इलाके के न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास सीआरपीसी की धारा 200 के तहत एक निजी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

- **Marathi:**

1. पोलीस स्टेशन: गुन्ह्याच्या तीव्रतेवर (आणि राज्य दुरुस्तीवर) अवलंबून, तुम्ही FIR (दखलपात्र गुन्हा असल्यास) किंवा NCR (अदखलपात्र गुन्हा असल्यास) नोंदवू शकता.
2. दंडाधिकारी: जर पोलीसांनी कारवाई केली नाही, किंवा गुन्हा अदखलपात्र असेल, तर तुम्ही थेट क्षेत्राच्या न्यायिक दंडाधिकाऱ्यांकडे सीआरपीसी कलम 200 अंतर्गत खाजगी तक्रार दाखल करू शकता.